

‘जनता के पास सही सूचनाओं का पहुंचना जरूरी’



नभ-छोर न्यूज ॥ 06 अप्रैल
हिसार। दयानंद महाविद्यालय के
रक्षा अध्ययन एवं इतिहास विभाग
के संयुक्त तत्वावधान में रणनीतिक
युद्ध कौशल एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर
फैक्टशाला वर्कशॉप का आयोजन
किया गया। वर्कशॉप में गवर्नमेंट
कॉलेज के रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ.
एसके मिश्रा व फैक्टशाला ट्रेनर
डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने रिसोर्सपर्सन के
रूप में वक्तव्य दिया। डॉ. मिश्रा ने
आजादी से लेकर कारगिल युद्ध
तक भारतीय सैनिकों की वीरता की
कहानियों की चर्चा के साथ देश की

आंतरिक और बाहरी चुनौतियों पर
चर्चा करते हुए समाधान पर बल
दिया। डॉ. मिश्रा ने 21वीं सदी में
भारतीय सेना द्वारा अपनाई गई
नवीनतम युद्ध तकनीकों के बारे में
भी विद्यार्थियों को अवगत कराया।
डॉ. कौशिक ने बताया कि वर्तमान
समय में जनता के पास सही
सूचनाओं का पहुंचना आवश्यक
है। युवा वर्ग के पास बड़ी
जिम्मेदारी है कि उसे सूचनाओं की
सही तरीके से जांच-पड़ताल कर-
के ही आगे प्रेषित करने चाहिए नहीं
तो राष्ट्र की सुरक्षा को बड़ा खतरा

हो सकता है। दयानंद
महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.
विक्रमजीत सिंह ने रक्षा अध्ययन
विभाग को इस प्रकार की
कार्यशाला का आयोजन करने के
लिए सराहना की। वर्कशॉप का
मंच संचालन डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा
कराया गया। रक्षा अध्ययन
विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने
वक्ताओं का आभार प्रकट किया।
इस मौके पर डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ.
सुरुचि शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार,
डॉ. रविंद्र कुमार व महेंद्र सिंह
आदि मौजूद थे।

डीएन कॉलेज में राष्ट्रीय सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

हिसार। दयानंद महाविद्यालय हिसार के रक्षा अध्ययन एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में रणनीतिक युद्ध कौशल एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर फैक्टशाला वर्कशॉप का आयोजन किया गया। लाइब्रेरी रीडिंग हॉल में आयोजित वर्कशॉप में गवर्नमेंट कॉलेज के रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. एसके मिश्रा व फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने रिसोर्स पर्सन के रूप में वक्तव्य दिया। रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. एसके मिश्रा ने आजादी से लेकर कारगिल युद्ध तक भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानियों की चर्चा के साथ देश की आंतरिक और बाहरी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समाधान पर बल दिया। डॉ. एसके मिश्रा ने 21वीं सदी में भारतीय सेना द्वारा अपनाई गई नवीनतम युद्ध तकनीकों के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया।

फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने बताया कि वर्तमान समय में जनता के पास सही सूचनाओं का पहुंचना आवश्यक है। युवा वर्ग के पास बड़ी जिम्मेदारी है कि उसे सूचनाओं की सही तरीके से जांच-पड़ताल करके ही आगे प्रेषित करने चाहिए, नहीं तो राष्ट्र की सुरक्षा को बड़ा खतरा हो सकता है। इसलिए फैक्टशाला मीडिया लिटरेसी के जागरूकता अभियान के तहत पूरे देश के शिक्षण संस्थानों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने रक्षा अध्ययन विभाग को इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन करने के लिए सराहना की। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर जागरूक रहने की प्रेरणा दी। वर्कशॉप का सुंदर व सफल मंच संचालन डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा कराया गया। रक्षा अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने वक्ताओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि जैसे-जैसे समय के साथ इतिहास बदल रहा है ऐसे ही सेना को भी युद्ध की नवीन तकनीक अपनाने पर जोर देना चाहिए। डॉ. महेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के को-कन्वीनर डॉ. सुरूचि शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार और आयोजन कमेटी सदस्य डॉ. रविंद्र कुमार व महेंद्र सिंह का कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दयानंद महाविद्यालय में रणनीतिक युद्ध कौशल एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर वर्कशॉप आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिंसार/नारनंद, 7 अप्रैल :

दयानंद महाविद्यालय हिंसार के रक्षा अध्ययन एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में रणनीतिक युद्ध कौशल एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर फैक्टशाला वर्कशॉप का आयोजन किया गया। लाइब्रेरी रीडिंग हॉल में आयोजित वर्कशॉप में गवर्नमेंट कॉलेज के रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. एसके मिश्रा व फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रजा कौशिक ने रिसोर्स पर्सन के रूप में वक्तव्य दिया। रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. एसके मिश्रा ने आजादी से लेकर



कारगिल युद्ध तक भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानियों की चर्चा के साथ देश की आंतरिक और बाहरी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समाधान पर बल दिया। डॉ. एसके मिश्रा ने 21वीं सदी में भारतीय सेना द्वारा अपनाई गई नवीनतम युद्ध तकनीकों

के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रजा कौशिक ने बताया कि वर्तमान समय में जनता के पास सही सूचनाओं का पहुंचना आवश्यक है। युवा वर्ग के पास बड़ी जिम्मेदारी है कि उसे सूचनाओं की सही तरीके से

जांच-पड़ताल करके ही आगे प्रेषित करने चाहिए नहीं तो राष्ट्र की सुरक्षा को बड़ा खतरा हो सकता है। इसलिए फैक्टशाला मोडिया लिटरेसी के जागरूकता अभियान के तहत पूरे देश के शिक्षण संस्थानों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने रक्षा अध्ययन विभाग को इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन करने के लिए सराहना की। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर जागरूक रहने की प्रेरणा दी। वर्कशॉप का सुंदर

व सफल मंच संचालन डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा कराया गया। रक्षा अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने वक्ताओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि जैसे-जैसे समय के साथ इतिहास बदल रहा है ऐसे ही सेना को भी युद्ध की नवीन तकनीक अपनाने पर जोर देना चाहिए। डॉ. महेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के को-कन्वीनर डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार और आयोजन कमेटी सदस्य डॉ. रविंद्र कुमार व श्री महेंद्र सिंह का कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रणनीतिक युद्ध कौशल एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर वर्कशॉप आयोजित



दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह वक्ताओं को सम्मानित करते। संवाद

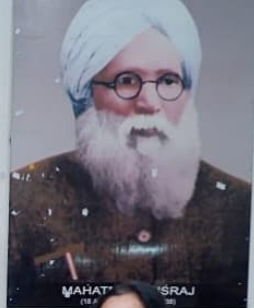
माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में रणनीतिक युद्ध कौशल एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर फैक्टशाला वर्कशॉप का आयोजन किया गया। लाइब्रेरी रीडिंग हॉल में आयोजित वर्कशॉप में गवर्नमेंट कॉलेज के रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. एसके मिश्रा व फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने रिसोर्स पर्सन के रूप में वक्तव्य दिया।

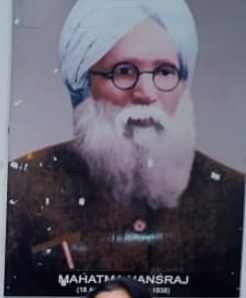
रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. एसके मिश्रा ने आजादी से लेकर कारगिल युद्ध तक भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानियों की चर्चा के साथ देश की आंतरिक और

बाहरी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समाधान पर बल दिया। उन्होंने 21वीं सदी में भारतीय सेना द्वारा अपनाई गई नवीनतम युद्ध तकनीकों के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया।

फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने बताया कि वर्तमान समय में जनता के पास सही सूचनाओं का पहुंचना आवश्यक है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने सुरक्षा के मुद्दों पर जागरूक रहने की प्रेरणा दी। इस मौके पर डॉ. प्रमोद कुमार, रक्षा अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. रविंद्र कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

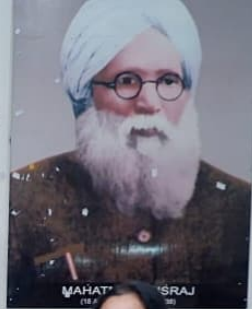


















DAYANAND COLLEGE, HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee, New Delhi
Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar



DEPARTMENT OF DEFENCE STUDIES AND HISTORY

Cordially Invite you to join one day FactShala Workshop on

STRATEGIC INFORMATION WARFARE AND NATIONAL SECURITY

Date: 06 April 2023, Time: 11:00 AM

Venue: Library Reading Hall



Dr. S.K. Mishra

Ex. Principal Govt. Colleges of Haryana
& GDC Memorial College Bahal (Bhiwani)
Asso. Prof. (Retd.) Dept. of Defence Studies

*Our
Eminent
Speakers*



Dr. Pragya Kaushik

Media Educator and
FactShala Trainer, Hisar

Patron

Dr. Vikramjit Singh
Principal

Coordinator

Dr. Suruchi Sharma
Dr. Pramod Kumar
(Mob: 9812718137)

Convener

Dr. Mahender Singh HOD,
Dept. of Defence Studies &
History

Organising Committee

Dr. Ravinder Kumar
Mr. Mahender Singh
(Mob: 7988415443)





PLEASE
KEEP
SILENCE

PLEASE
KEEP
SILENCE